



HDR-001-014304

Seat No. _____

M. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

November / December – 2017

Sanskrit : Paper - ECT-03

(Alamkarshastra)

(Old Course)

(१) राजशेखररचिता – काव्यमीमांसा – अध्याय १-६

(२) जगन्नाथरचित-रसगङ्गाधर-प्रथमआनन

Faculty Code : 001

Subject Code : 014304

Time : 2½ Hours]

[Total Marks : 70

- | | | |
|------------------|--|----|
| १ | काव्यमीमांसा-तृतीयोऽध्यायः – यर्था करो. | १४ |
| 1 | Discuss – काव्यमीमांसा-तृतीयोऽध्यायः. | 14 |
| अथवा / OR | | |
| १ | काव्यमीमांसा-पञ्चमोऽध्यायः यर्था करो. | १४ |
| 1 | Discuss – काव्यमीमांसा-पञ्चमोऽध्यायः. | 14 |
| २ | राजशेखरना भते काव्य-कारण समझवो. | १४ |
| 2 | Explain the काव्यकारण according to Rajashekhara. | 14 |
| अथवा / OR | | |
| २ | काव्यकविः पुनरष्टधा – यर्था करो. | १४ |
| 2 | Discuss – काव्यकविः पुनरष्टधा. | 14 |
| ३ | ‘रमणीयार्थः प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्’ – यर्था करो. | १४ |
| 3 | Discuss – ‘रमणीयार्थः प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्’. | 14 |
| अथवा / OR | | |
| ३ | जगन्नाथनी दृष्टिअे काव्यप्रयोजननी यर्था करो. | १४ |
| 3 | Explain the काव्यप्रयोजनानि according to Jagannatha. | 14 |

४ जगन्नाथना भते काव्यप्रकारो सविस्तर समजावो. १४

4 Explain in detail काव्यप्रकाराः according to Jagannatha. 14

अथवा / OR

४ जगन्नाथना भते रसप्रकारो सविस्तर समजावो. १४

4 Explain in detail रसप्रकाराः according to Jagannatha. 14

५ नीचेनाभांथी कोर्षपण बे पर टूंकनोंध लभो : १४

5 Write short notes on any **two** of the following : 14

(१) उचितानुचितविवेको व्युत्पत्तिः ।

(२) 'पञ्चमी साहित्यविद्या' इति यायावरीयः ।

(३) अनौचित्यादृते नान्यद्रसभङ्गस्य कारणम् ।

(४) तस्य च कारणकविगता केवला प्रतिभा ।